This question paper contains 2 printed pages.

Sl. No. of Q.P.: 8825

Your Roll No. .....

आपका अनुक्रमांक .....

UNIQUE PAPER CODE	:	~~21020I~~ 2101201
NAME OF PAPER	:	**DC-1.3 - INDIAN PHILOSOPHY-I**
NAME OF THE COURSE	:	**FYUP - PHILOSOPHY**
SEMESTER	:	**II**
Duration	:	**3 Hours**
Maximum Marks	:	**75**

F-4

Instruction for Candidates

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Answer may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt all the **five** questions. **All** question carry equal marks.

सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Discuss the common characteristics of Indian Philosophy.
भारतीय दर्शन के सामान्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

OR /अथवा

Examine the metaphysical theories advanced by Indian Philosophy.
भारतीय दर्शन के तत्वमीमांसीय सिद्धान्तों की परीक्षा कीजिए।

2. Explain the conceptions of the transcendent and the immanent in the Īśa Upaniṣad.
ईश उपनिषद में परिकल्पित अनुभवातीत और अन्तर्भूत की अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए।

OR /अथवा

Evaluate the Buddhist analysis of the problem of suffering.
दुःख की समस्या पर बौद्ध दर्शन के विशलेषण का मूल्यांकन कीजिए।

3. Examine the views advanced by Cārvāka and Śaṁkara on the theory of Self.
चार्वाक और शंकर द्वारा प्रतिपादित आत्मन् विषयक मतों की परीक्षा कीजिए।

OR /अथवा

Indicate the difference between the views propounded by Nāgasena and Śaṁkara on the Self.
नागसेन और शंकर के आत्मन् संबंधी विचारों के परस्पर भेद का रेखांकन कीजिए।

4. Explain the conceptions of cause-effect theory in Nyāya and Sāmkhya.
न्याय और साख्य द्वारा प्रतिपादित कारण–कार्य अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए।

OR /अथवा

Discuss the Nyāya view on perception.
प्रत्यक्ष पर न्याय दर्शन के दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।

5. Write short notes on **any two** of the following:
निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए:

(i) Syādvāda
स्यादवाद

(ii) The Philosophical significance of Draupadi's Question
द्रोपदी के प्रश्न का दार्शनिक महत्व

(iii) The idea of 'the Indian Mind'
'द इंडियन माइन्ड' की अवधारणा

(iv) The Vedic notion of Peace
शांति की वैदिक परिकल्पना